किलर महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र – मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 24/09/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (तेसर भाग)

प्रश्न :- आरसी प्रसाद सिंहक काव्यक परिचय दिअ।

उत्तर :- ....'पूजाक फूल' मे कवि विभिन्न प्रकारक फूल रूपी कवितासँ वाणीक अर्चना कयलनि अछि। हिनक प्रकृति विषयक कविता मे फागुन, वसन्त आह्वान, मधुयामिनी, मेघ पड़य छै वर्षागम, पावस-प्रसंग घटा देखि कारी, शारदीया आ आकाश दीप कविता अबैत अछि। मधुयामिनी मे कवि कहैत छथि –

अरुणोदयसँ पूर्व लूटि लै सोभा-सिन्धु हीरा-मोती।
नहि तँ फेर मिलतह रजनी उड़ि जेतह ज्योत्स्नाक ज्योती॥

स्वदेश प्रेमक भावना 'स्वदेश-वन्दना' शीर्षक कवितामे अभिव्यक्त भेल अछि। देशाक मुक्त कंठसँ प्रशंसा करैत ओ कहैत छथि –

रवि-शशि जकर उतारै निज आइ आरती छथि।
× × × ×
ई देश थिक हमर ओ, हम भावना करै छी।
हे जन्मभूमि भारत, हम वन्दना करै छी।

कविक दृष्टिमे जीवन सृष्टिक ओ फूल थिक जे अपन सौन्दर्यकेँ लुटबैत अछि। जाहि रक्तमे उष्णता, कर्म मे उत्साह, वाणीमे तेज, आँखिमे तेज, पुरुषमे पौरुष आ नारीमे नारीत्व पाओल जाइछ सैह जीवन थिक। जन्म ओ मृत्यु दुहुक मध्य

P.T.O –

.... नदीक जल जकाँ जीवन प्रवाहित रहैछ -

जन्म - मृत्युक मध्य रहितहुँ जन्म - मृत्युक द्वन्द्वमे नहि।

नाम थिक जीवन जकर, से शक्ति अपराजेय अक्षय ॥

आरसी बाबूकेँ भाषा पर पूर्ण अधिकार छनि आवक अनुरूप भाषा सर्वत्र व्यक्त भेल अछि। संस्कृतनिष्ठ भाषा आ ग्रामीण शब्दावलीक प्रयोग नीक भेल अछि। भाषामे ओज, माधुर्य आ प्रवाह विशेष छनि।

end

24/09/2020